



सघन मशिन इन्द्रधनुष 3.0

चर्चा में क्यों?

हाल ही में कोविड-19 महामारी के दौरान नयिमति टीकाकरण में छूटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं को कवर करने के उद्देश्य से सघन मशिन इन्द्रधनुष 3.0 (Intensified Mission Indradhanush- IMI 3.0) योजना शुरू की गई है।

प्रमुख बिंदु:

■ सघन मशिन इन्द्रधनुष (IMI) 3.0 योजना के बारे में:

• उद्देश्य:

- **सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम** (Universal Immunisation Programme- UIP) के तहत उपलब्ध सभी टीकों के साथ आबादी के उस हिस्से तक पहुँचना जहाँ टीकों के वितरण का अभाव है और जसिसे सभी बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं में टीकाकरण किया जा सके, साथ ही टीकाकरण कवरेज कार्यक्रम में तीव्रता लाई जा सके।

• कवरेज:

- यह टीकाकरण कार्य इस वर्ष दो चरणों में संपन्न होगा जसि 29 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के 250 पूर्व-चहिनति ज़िलों/शहरी क्षेत्रों में आयोजित किया जाएगा।

- टीकाकरण हेतु 313 ज़िलों को कम जोखिमि, 152 को मध्यम जोखिमि और 250 को उच्च जोखिमि वाले ज़िलों में वर्गीकृत किया गया है।

- प्रवर्जन क्षेत्रों (Migration Areas) और दूरदराज़ के क्षेत्रों में उन लभारतियों को लक्षित किया जाएगा जो महामारी के दौरान टीके की खुराक से वंचित रह गए हैं।

- महत्त्व: यह **सतत विकास लक्ष्यों** (Sustainable Development Goals) को प्राप्त करने के उद्देश्य से भारत द्वारा किये जाने वाले परयासों में वृद्धि करेगा।

■ सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम:

• प्रारंभ/शुरुआत:

- भारत में टीकाकरण कार्यक्रम को वर्ष 1978 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 'वसित्तु टीकाकरण कार्यक्रम' (Expanded Programme of Immunization- EPI) के रूप में शुरू किया गया था।
- वर्ष 1985 में इसे सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम में परिवर्तित कर दिया गया।

• कार्यक्रम का उद्देश्य:

- टीकाकरण कवरेज को तेज़ी से बढ़ाना।
- सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार।
- स्वास्थ्य सुविधाओं के स्तर पर एक विश्वसनीय कोल्ड चेन सिस्टम (Reliable Cold Chain System) की स्थापना।
- टीकाकरण कार्यक्रम के प्रदर्शन की नगिरानी हेतु ज़लैवार प्रणाली की स्थापना।
- टीके उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना।

• विश्लेषण:

- UIP 12 वैक्सीन- रोकथाम योग्य बीमारियों के खिलाफ बच्चों और गर्भवती महिलाओं में मृत्यु दर एवं सुगुणता को रोकती है लेकिन अतीत में यह देखा गया कि टीकाकरण कवरेज में धीमी वृद्धि रही जो वर्ष 2009 से 2013 के मध्य प्रतवर्ष 1% की दर से ही बढ़ी।
- टीकाकरण कवरेज में तेज़ी लाने हेतु वर्ष 2015 से पूर्ण टीकाकरण कवरेज को 90% तक बढ़ाने के उद्देश्य से मशिन इन्द्रधनुष

की परकिल्पना और उसका कार्यान्वयन किया गया था।

■ **मशिन इन्द्रधनुष:**

■ **उद्देश्य:**

- इसके तहत 89 लाख से अधिक बच्चों को पूरी तरह से प्रतरिक्षित किया जाना है जिनका UIP के तहत आंशिक रूप से टीकाकरण हुआ है या जो टीकाकरण से छूट गए हैं।
- इसमें 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों और गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया है।

■ **टीकाकरण के तहत कवर की जाने वाली बीमारियाँ:**

- मशिन इन्द्रधनुष में 12 वैक्सीन-प्रविटेबल डज़ीज़ (Vaccine-Preventable Diseases- VPD) के खिलाफ टीकाकरण शामिल है जिनमें डिफ्थीरिया (Diphtheria), काली खाँसी (Whooping Cough), टेटनस (Tetanus), पोलियो (Polio), कृष (Tuberculosis), हेपेटाइटिस-बी (Hepatitis B), मैननिजाइटिस (Meningitis), नमोनिया (Pneumonia), हेमोफिलस इन्फ्लुएंज़ा टाइप बी संक्रमण (Haemophilus Influenzae Type B Infections), जापानी एनसेफेलाइटिस (Japanese Encephalitis), रोटावायरस वैक्सीन (Rotavirus Vaccine), न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन (Pneumococcal Conjugate Vaccine) और खसरा-रूबेला (Measles-Rubella) शामिल हैं।
- हालाँकि जापानी एनसेफेलाइटिस और हीमोफिलस इन्फ्लुएंज़ा टाइप बी के खिलाफ टीकाकरण कार्यक्रम देश के चुनदा ज़िलों में किया जा रहा है।

■ **सघन मशिन इन्द्रधनुष 1.0:**

■ **प्रारंभ:**

- इस कार्यक्रम को वर्ष 2017 में प्रारंभ किया गया।

■ **कवरेज:**

- MI के तहत उन शहरी क्षेत्रों पर अधिक ध्यान दिया गया जो मशिन इन्द्रधनुष के तहत छूट गए थे।
- इसके तहत वर्ष 2020 के बजाय दिसंबर 2018 तक 90% से अधिक पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करने हेतु चुनदा ज़िलों और शहरों में टीकाकरण कवरेज में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

■ **सघन मशिन इन्द्रधनुष 2.0:**

■ **प्रारंभ:**

- यह **पलस पोलियो कार्यक्रम** (2019-20) के 25 वर्षों को चहिनति करने के उद्देश्य से शुरू किया गया एक राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान था।

■ **कवरेज:**

- इसमें 27 राज्यों के कुल 272 ज़िलों में पूर्ण टीकाकरण कवरेज का लक्ष्य रखा गया।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य वर्ष 2022 तक कम-से-कम 90% अखलि भारतीय टीकाकरण कवरेज के लक्ष्य को हासिल करना।

स्रोत: द हट्टि